प्रकाशन तिथि : 01 मार्च, 2023
प्रेषण तिथि : 04 मार्च, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 24 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अपने बल, धन और ज्ञान का सदुपयोग करें: संरक्षक श्री

(श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में हुआ क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम का आयोजन)

हमारा जो व्यापार है, उद्योग है, राजसत्ता है, अधिकारी बनने की होड़ है, उससे हमको संसार की सेवा करनी है, उसका मालिक नहीं बनना है। हमारे अंदर इस प्रकार का भाव बन जाए कि करने वाला तो ईश्वर है और उसने हमें यह अवसर संसार की सेवा करने के लिए दिया है। जिसने दिया है उसी को अर्पण कर दें। आपके पास जो धन है, वह साधन है। उसको अपना मत मानना, अपना मानते ही पाप हो जाता है। 'तुमने दिया तव चरणों में है न्योछावर स्वीकार करो' इस भाव से काम करें। इतना बड़ा काम आप लोग कर रहे हैं इसलिए इसको समझने की आवश्यकता है। कहीं हममें अहंकार न आ जाए। आपके पास जो कुछ भी है वह भगवान के सामने अर्पित करके उपयोग करें, उपभोग नहीं। चाहे वह सत्ता हो, चाहे वह धन हो, चाहे वह बल हो, उस सब का सदुपयोग करें। बल का सदुपयोग कमजोर की रक्षा करने में लगाएं, धन का सदुपयोग लोगों की सहायता करने में करें, ज्ञान है तो लोगों को अंधकार से निकालें। यह सब सदुपयोग है लेकिन मैं यह सब कर रहा हूं, यह भाव आते ही वह दुरुपयोग हो जाता है। इसीलिए सामान्य अर्थों में जो ज्ञानी है उसका कभी कल्याण नहीं होता, क्योंकि उस ज्ञान के साथ अहंकार जुड़ा हुआ है। वे अपनी बात के सिवाय किसी और की बात मानने को ही तैयार नहीं होते। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

जनरल हनुत सिंह की स्मृति में मुख्य द्वार का नामकरण

महावीर चक्र विजेता जनरल हनुत सिंह जसोल के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए बाड़मेर मिलिट्री स्टेशन के मुख्य द्वार का नामकरण 'जनरल हनुत द्वार' कर दिया गया है। पिछले वर्ष ही यहां जनरल हनुत सिंह की प्रतिमा भी स्थापित की गई थी। परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित जनरल हनुत सिंह भारतीय सेना के श्रेष्ठतम सेनानायकों में से एक हैं जिन्हें उनकी सैन्य कुशलता के साथ-साथ उनकी ईश्वर के प्रति भक्ति और साधना पूर्ण जीवन के लिए भी सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है।

गजेंद्र सिंह शेखावत पहुंचे आलोक आश्रम

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत 17 फरवरी को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम पहुंचे एवं माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आश्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों से बातचीत करते हुए शेखावत ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ मेरे लिए अपने घर की तरह है। मैं जो कुछ भी हूं उसके पीछे संघ से मिला शिक्षण और पूज्य तनसिंह जी की कृपा ही है। इस दौरान वरिष्ठ स्वयंसेवक वीर सिंह शिवकर, नरपत सिंह चिराणा, केन्द्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह राणीगांव, बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली, जैसलमेर संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली सहित अनेक स्वयंसेवक व समाजबंधु उपस्थित रहे।

सबके सहयोग से जलेगी वैमनस्य की होली: संरक्षक श्री

(श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में छठा किसान सम्मेलन सीकर में संपन्न)

एक अभियान को लेकर श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज को जोड़ने का काम कर रहा है। कई अनुषंगिक संगठन बनाकर विभिन्न वर्गों को जोड़ने का उत्तरदायित्व निभा रहा है। श्री प्रताप फाउंडेशन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, श्री प्रताप युवा शक्ति जैसे संगठनों द्वारा अलग-अलग साधनों और मार्गों से यह कार्य किया जा रहा है। हम दल के दलदल में नहीं पड़ते। हम कांग्रेस से भी संपर्क करते हैं तो हम भाजपा से भी संपर्क करते हैं, जिसमें भी समाज का हित हो। राजनीतिक दलों ने किसानों में संगठन के नाम पर जो वैमनस्य फैलाया है उसे दूर करने के लिए हम सब मिलकर कार्य करें, इसीलिए यह किसान सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसमें सब का सहयोग

आवश्यक है। थोड़ा-थोड़ा तेल डालिए, दीपक जलेंगे और एक दिन इस आपसी वैमनस्य की बुराई की होली भी जल जाएगी। जब मतदान का समय आता है तब यह देखकर मतदान करना चाहिए कि कौन अच्छा व्यक्ति है, कौन उपयुक्त है, उनका चयन करके हमको श्रेष्ठ लोगों को सरकार में भागीदारी देने का प्रयत्न करना चाहिए। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 26 फरवरी को सीकर के रामलीला मैदान में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज जो हिंदू है वह अधिक कट्टर हिंदू बन रहा है, मुस्लिम अधिक कट्टर मुस्लिम बन रहा है, देश के देश आपस में लड़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को जोड़ने का यह काम बहुत बड़ा है। हम हमारे जीवन में इसको कर लेंगे, ऐसा मुझे नहीं लगता। इसलिए भगवान से प्रार्थना करते हैं कि जब तक यह काम पूरा नहीं हो, तब तक इसी प्रकार के माहौल में हमको जन्म दें ताकि यह आज का बोया हुआ बीज पूरे संसार में फैल सके। संरक्षक श्री ने सभी को अगले वर्ष आयोजित होने वाले पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में निमंत्रित करते हुए कहा कि शताब्दी समारोह राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में मनाने की योजना है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

शिक्षक-शिक्षिकाओं की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में बायतु , बालोतरा, सिवाना, पचपदरा, गिड़ा, पाटोदी, कल्याणपुर और सिणधरी के राजपूत शिक्षक-शिक्षिकाओं की एक दिवसीय कार्यशाला 26 नवंबर को राणी भटियानी धाम जसोल में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युग दुष्टा पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह जनवरी 2024 में देश की राजधानी दिल्ली में भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। इस अंतराल में हमें पूज्य श्री के संदेश को हर घर तक पहुंचाना है। हम सभी पूज्य श्री का जीवन दर्शन, उनके लिखे साहित्य को स्वयं पढ़ें और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि सही समय और सही मंच पर सही बात बताते हुए कभी परहेज नहीं करें। रावल किशनसिंह जसोल ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का होना बहुत ही जरूरी है। संस्कारों से ही व्यक्ति पूर्ण होता है। विकास के लिए मन से नकारात्मकता का भाव त्यागें। वर्तमान समय में यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में शिक्षक की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। क्षत्रिय समाज के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, तब ही सशक्त राष्ट्र व समाज का निर्माण होगा। जेतमाल सिंह बिशाला ने अप्रैल माह में आयोजित होने वाली कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पदम सिंह भाऊडा ने शिक्षक की समाज में उपयोगिता के विभिन्न पहलुओं को समझाया। राजलक्ष्मी थोब, शालिनी शेखावत, नाहर सिंह जाखडी, विशन सिंह चांदेसरा, महेंद्र सिंह सोहड़ा और मोहन सिंह बुड़ीवाडा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में बालोतरा संभाग के 150 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्रांत प्रमुख चंदन सिंह थोब ने कार्यक्रम का संचालन किया।

बाड़मेर जिले की राजपूत शिक्षिकाओं का स्नेहमिलन संपन्न

बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में बाड़मेर जिले में राजकीय विद्यालयों में नियुक्त राजपूत शिक्षिकाओं का एक दिवसीय स्नेहमिलन कार्यक्रम 12 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के सान्निध्य में संपन्न हुआ। शिक्षिकाओं से चर्चा के दौरान माननीय संरक्षक श्री ने ईशोपनिषद के प्रथम श्लोक - 'ईशावास्यं इदं सर्वं यतकिञ्च जगत्यां जगत। तेन त्यक्तेन भुञ्जिथाः मा गृधः कस्य स्विद् धनम्॥' की व्याख्या करते हुए कहा कि यह संसार ईश्वर द्वारा आच्छादित है। जो कुछ भी दिया है, वह ईश्वर ने ही दिया है। इस सत्य को समझकर हमें सही समय पर सही उद्देश्य के निमित्त त्याग करना सीखना होगा। ईश्वर ने शरीर संसार की सेवा करने के लिए दिया है और आत्मा दी है भगवान का भजन करने के लिए। अगर भजन नहीं किया तो हीरे सा मूल्यवान यह जन्म व्यर्थ गंवा देंगे। केवल मात्र उदर पूर्ति करना हमारा काम नहीं है। इसलिए संसार में गिद्ध दृष्टि नहीं रखकर अपने मन, वचन और बुद्धि को मलिन होने से बचाना होगा। आगे संरक्षक श्री ने इसी उपनिषद के दूसरे श्लोक - 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छत समाः। एवं त्वयि नान्यथेतो स्ति न कर्म लिप्यते नरे॥' की व्याख्या की और बताया कि करणीय कर्म करते हुए हम शतायु जीवन की ईश्वर से प्रार्थना करें। पूज्य तनसिंह जी ने कहा है कि करने आए कर न सके तो जीवन तरुवर व्यर्थ फला है। इसीलिए हमें प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखते हुए प्रकृति के प्रति कृतज्ञ बनकर संसार में कर्म करना है। स्त्री के लिए पुरुष और पुरुष के लिए स्त्री माया है और यह जीवन जब तक माया में फंसा रहेगा तब तक हमारा कल्याण नहीं हो सकता। इसलिए सदैव सत्संग एवं भजन करें और उस परमतत्व का सदैव स्मरण करते हुए अपने कर्तव्य मार्ग पर आगे बढ़ें। हमें अपने आचरण को उत्कृष्ट बनाने के लिए अपना गुरु स्वयं ही बनना होगा। कोई देखे या ना देखे, कोई कहे या ना कहे, मुझे हर समय सतर्क एवं सावधान रहना है, यह भाव बना रहना चाहिए। संरक्षक श्री ने कहा कि हमारा कर्तव्य है - क्षात्र धर्म का पालन करना। श्री क्षत्रिय युवक संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के द्वारा उसी क्षात्र धर्म का प्रशिक्षण दे रहा है। क्षात्र-धर्म का पालन करते हुए आप सभी शिक्षिकाओं को भी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में संस्कार निर्माण एवं चरित्र निर्माण की शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह राणीगांव ने बताया कि 2023-24 को पूज्य श्री तनसिंह जी के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। 2024 में पूज्य श्री की 100वीं जयंती देश की राजधानी दिल्ली में मनाई जाएगी। उन्होंने शताब्दी वर्ष के निमित्त 11 सूत्रीय कार्यक्रम की भी जानकारी दी। कार्यशाला में बाड़मेर जिले में कार्यरत लगभग 50 अध्यापिकाएं, वरिष्ठ अध्यापिकाएं एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहीं। सभी ने शिक्षण कार्य और सामाजिक कार्य के संबंध में अपने अनुभव भी शेयर किए। बाड़मेर शहर प्रांत प्रमुख छगन सिंह लूणू भी उपस्थित रहे।

आरासणा में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

सिरोही जिले में पिंडवाड़ा के निकट स्थित आरासुर अंबाजी मंदिर परिसर में राजपूत समाज का स्नेहमिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 19 फरवरी को आयोजित हुआ। समारोह में शिक्षा, नौकरी, खेलकूद, उद्यम आदि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की 100 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। पिंडवाड़ा पुलिस उपाधीक्षक जेठू सिंह कुशीप एवं डॉ शक्ति सिंह देवड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने एवं अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने की बात कही। ईश्वर सिंह, दीवान सिंह, डॉ. उदय सिंह व गोप सिंह ने भी अपने विचार रखे। रेवानाथ महाराज अजारी के सानिध्य में संपन्न कार्यक्रम में समरवीर सिंह पाडीव, दिलीप सिंह मांडाणी, गणपत सिंह, पूर्व जिला प्रमुख चंदन सिंह सहित अनेकों गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे। गोप सिंह वीरोली, कैप्टन रतन सिंह वीरवाड़ा, बाघ सिंह नया सानवाड़ा आदि ने आयोजन का जिम्मा संभाला।

गोहिलवाड़ संभाग में संपर्क यात्रा का आयोजन

गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन करके श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में 23 फरवरी को राजपरा, देदरड़ा, हाथसनी, रोहिशाला और पालीताणा में संपर्क किया गया। 24 फरवरी को रनडोला, सेंजरिया और बडेली गांवों में संपर्क किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह पांची अन्य स्वयंसेवकों के साथ यात्रा में उपस्थित रहे। बलवंत सिंह जी ने 93 वर्ष की आयु पुरी करने पर 93 गांवों में संपर्क करके संघ के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प किया जिसके अनुरूप इस संपर्क यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

कोलायत और मुंबई में स्नेहमिलन संपन्न

बीकानेर संभाग में नोखा कोलायत प्रांत में 26 फरवरी को राजपूत विश्राम गृह श्री कोलायत में परिवारिक स्नेहमिलन का आयोजन हुआ। बीकानेर प्रान्त प्रमुख राजेन्द्रसिंह आलसर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ और पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावरसिंह भादला ने पारिवारिक स्नेहमिलन के महत्व को बताते हुए कहा कि जब तक मातृशक्ति को साथ लेकर नही चलेंगे तक तक श्री क्षत्रिय युवक संघ की उपासना पद्धति को आत्मसात नही कर पाएंगे। संघ संस्कार के साथ जीवन जीने की कला सिखाता है। कार्यक्रम का संचालन बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर ने किया। कोलायत शहर में रहने वाले समाजबंधु सपरिवार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के पश्चात् समूह भोज का आयोजन हुआ। क्षत्रिय सभा कोलायत के अध्यक्ष युद्धवीर सिंह हाडला, सत्यपाल सिंह हाडला, मदन सिंह भूटा का कुआ आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। कई स्वयंसेवक एक दिन पूर्व ही कोलायत पहुंचे और कपिल सरोवर में स्नान कर मंदिर के दर्शन किए। तत्पश्चात कोलायत राजपूत विश्राम गृह के नवनिर्मित कक्षों में हवन किया। प्रान्त प्रमुख करणी सिंह भेलू ने बताया कि पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त प्रांत में वर्ष भर में आयोजित होने वाले 35 कार्यक्रमों में यह पहला आयोजन है। 26 फरवरी को ही मुंबई प्रांत की सभी शाखाओं के नियमित स्वयंसेवकों का एकदिवसीय स्नेहमिलन वागेश्वरि मंदिर मलाड में आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख नीर सिंह सिंघाना और प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह आलासन सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

नागौर संभाग की कार्ययोजना बैठक संपन्न

नागौर संभाग की अर्द्धवार्षिक समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठक 25-26 फरवरी को साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयुवान निकेतन, कुचामन सिटी में माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में संपन्न हुई। कार्यक्रम में संभाग में इस वर्ष में अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर से पूर्व होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। संघप्रमुख श्री ने पूज्य तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त कार्यक्रमों के आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देश प्रदान किए। केंद्रीय लेखा प्रभारी गंगा सिंह साजियाली ने संस्थान के लेखा सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा, साधना संगम संस्थान के अध्यक्ष बाबू सिंह नगवाडा, उपाध्यक्ष भगवत सिंह सिंघाना, उगम सिंह गोकुल, विक्रम सिंह ढिंगसरी, नन्द सिंह बेड़, शिंभू सिंह चौलूंखा सहित अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

शहीद नरपत सिंह राठौड़ की मूर्ति का अनावरण

भणियाणा उपखंड के राजमथाई कस्बे में शहीद नायक नरपत सिंह राठौड़ की स्मृति में नवनिर्मित स्मारक व मूर्ति का अनावरण समारोह 12 फरवरी को आयोजित हुआ। समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि शहीदों व महापुरुषों का जीवन समाज की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें इनके जीवन मूल्यों का अनुकरण करते हुए देश की सेवा का संकल्प लेकर कार्य करना चाहिए। शहीद नरपत सिंह देश के लिए शहादत देकर ने अपने गांव, क्षेत्र और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। शहीद के परिवार के त्याग को भी हम सभी नमन करते हैं। राजस्थान सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के

अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है और हमारे क्षेत्र के नरपत सिंह राठौड़ ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करके इस बात को सिद्ध किया है। ऐसे वीरों के प्रति हम सभी को कृतज्ञ होना चाहिए क्योंकि उन्हीं के बलिदान के कारण हम सुरक्षित हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए हम सबको सदैव तैयार रहने की आवश्यकता है। जिन्होंने हमारे लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है, ऐसे शहीदों को नमन करते हुए हमें भी राष्ट्र सेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम को राजस्थान के शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला और अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में शहीद के परिजन, सैनिक कल्याण बोर्ड के निदेशक वी एस राठौड़, जिला पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित रहे।

शहीद का परिचय- जैसलेमर जिले के भणियाणा उपखंड के राजमथाई क्षेत्र की धौलासर ग्राम पंचायत के लोंगासर गांव के निवासी नरपत सिंह राठौड़ 15 कुमाऊं रेजीमेंट में नायक के पद पर कार्यरत थे। सेना में अपनी 18 वर्ष की सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन विजय (कारगिल युद्ध), ऑपरेशन पराक्रम (जम्मू कश्मीर), ऑपरेशन राइनो (आसाम) ने भाग लिया, साथ ही संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के सदस्य के रूप में कांगों में भी अपनी सेवाएं दी। 19 नवंबर 2016 को आसाम में उग्रवादियों की ओर से सैनिक काफिले पर किए गए हमले में नरपत सिंह शहीद हो गए।

झांझमेर (गुजरात) में मातृशक्ति शिविर संपन्न

गुजरात के गोहिलवाड संभाग के मोरचंद प्रांत में झांझमेर गांव स्थित नागणेची माता मंदिर परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 18 से 20 फरवरी तक आयोजित हुआ। शिविर के प्रथम दिन मातृशक्ति का स्वागत करते हुए शिविर संचालिका उर्मिलाबा पच्छेगाम ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर में आने का अवसर प्राप्त हुआ है। हम पर ईश्वर की अनन्य कृपा होने से ही हमें यह अवसर मिला है। श्री क्षत्रिय युवक संघ आप सबका तिलक लगाकर स्वागत कर रहा है क्योंकि आप इस समाज की आशा की ज्योति है। आज की बेटी कल की माता है और माता को निर्माता कहा गया है क्योंकि वही संतान के व्यक्तित्व का निर्माण करती है। इसलिए इन तीन दिनों में जो कुछ भी आपको यहां सिखाया जाएगा, उसे सदा स्मरण रखें। शिविर के अंतिम दिन मातृशक्ति को विदाई देते हुए

बताया गया कि अपनी इच्छाओं पर अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देकर ही हम समाज की भावी पीढ़ी को नई राह दिखाने वाली बन सकती हैं और उन्हें भी संघ मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। हम सब ने यहां से जो कुछ भी ग्रहण किया उसे अपने जीवन में उतारकर सभी तक संघ का संदेश पहुंचाएं। शिविर में मधुवन, खंढेरा, नवी कामरोल, वीसामण (पड़धरी), जूनी कामरोल, नवा सांगाणा, जूना सांगाणा, झांझमेर, पसवी, मोटी जागधार, रोजिया, वाटलिया, उंचड़ी, मोरचंद, वेलावदर, पच्छेगाम, सांढखाखरा, कोठडिया, उखरला, तलाजा, महुवा, अवानिया, वरतेज, नेशिया, धोलेरा, तणसा, चूड़ी, मेघपर, वडोद, सांढ़ीडा, मोटी मारड आदि गांवों की 116 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री वाजा राठौड़ क्षत्रिय समाज के श्री नागणेची माताजी मंदिर संस्थान का शिविर की व्यवस्था में विशेष सहयोग रहा।

गोता (अहमदाबाद) में क्षत्रिय अस्मिता मंच की स्थापना

गुजरात में अहमदाबाद के गोता स्थित श्री हरेंद्र सिंह सरवैया राजपूत भवन में 26 फरवरी को क्षत्रिय अस्मिता मंच की स्थापना समारोह पूर्वक की गई। पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में काम करना है तो हमें समयबद्धता का ध्यान रखना आवश्यक है। भाषणों या लोगों को सम्मानित करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि आपसी संवाद, विचारों का आदान-प्रदान और उन विचारों का क्रियान्वयन आवश्यक है। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा ने बताया कि हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान से हमारे समाज की अस्मिता का निर्माण हुआ है, उसकी रक्षा हमें करनी है तो हमें भी त्याग और बलिदान के मार्ग पर चलना होगा। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने मंच की स्थापना को अच्छा कार्य बताते हुए कहा कि

सामान्यतया संसार में लोगों को सुख चाहिए होता है और उसके पश्चात अस्मिता की चाह होती है लेकिन क्षत्रिय के लिए सदैव अस्मिता पहले रही है, उसके बाद सुख का स्थान है। हमारे पूर्वजों ने अपनी अस्मिता के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। उसी अस्मिता पर आज जब चारों ओर से षड्यंत्र और आक्रमण हो रहे हैं तब उसकी रक्षा के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। तारातरा मठ के महंत प्रताप पुरी महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वार्थ से दूर रहकर संकल्प पूर्वक किया हुआ कार्य ही सफल होता है। इसलिए अपने आपको बनाकर समाज के निर्माण में सहयोगी बनें। अशोक सिंह परमार ने शिक्षा के क्षेत्र में समाज को आगे बढ़ाने की बात कही। प्रदीप सिंह जाडेजा और फतेह सिंह चौहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

काणेटी और सीहोर में मनाई छत्रपति शिवाजी की जयंती

मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत के काणेटी गांव स्थित प्राथमिक शाला में 19 फरवरी को वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी की जयंती मनाई गई। सभी उपस्थित समाज बंधुओं ने शिवाजी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करके उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की तथा उनकी वीरता और शौर्य को नमन किया। कार्यक्रम में वीर शिवाजी को उनके बाल्यकाल से ही उनकी माता जीजाबाई द्वारा दी गई क्षत्रिय धर्म पालन की शिक्षा को दर्शाता एक गुजराती गीत प्रस्तुत किया गया एवं राष्ट्र और धर्म रक्षार्थ शिवाजी द्वारा किए गए संघर्ष के बारे में बताया गया। जयंती कार्यक्रम के साथ ही मध्य गुजरात संभाग की अर्द्धवार्षिक समीक्षा एवं कार्य योजना बैठक भी संपन्न हुई। बैठक में पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत संभाग में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में चर्चा हुई। माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के गुजरात प्रवास के दौरान 10 मार्च को साणंद में शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित होने वाले स्नेह मिलन समारोह के आयोजन के संबंध में भी चर्चा हुई तथा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए। बैठक में संभाग के विभिन्न प्रांतों में लगने वाली शाखाएं, पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान संभाग में प्रचार-प्रसार हेतु प्रयुक्त होने वाली सामग्री यथा बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि के निर्माण आदि बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी, वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी, महावीर सिंह हरदासकाबास, सहदेव सिंह मूली, श्री राजपूत विकास संघ साणंद के प्रमुख अनिल सिंह गोधावी, मंत्री नवल सिंह पिंपण सहित अनेकों स्वयंसेवक व सहयोगी उपस्थित रहे। अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसी दिन सीहोर (अहमदाबाद) में भी शाखा स्तर पर छत्रपति शिवाजी की जयंती मनाई गई।

चरोतर और खोखरा में सामूहिक लग्न समारोह का आयोजन

गुजरात में श्री चरोतर राजपूत समाज- मलातज द्वारा पिछले सोलह वर्ष से राजपूत जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी 5 फरवरी को 17वां समूह लग्न अरेरा गांव जी खेड़ा में आयोजित किया गया। इस दौरान 13 नवदंपती विवाह संस्कार के बंधन में बंधे। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के सामाजिक कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के चरोतर प्रांत की ओर से सभी नवविवाहित दंपती को अड़गड़ानंद जी महाराज द्वारा लिखित 'यथार्थ गीता' पुस्तक भेंट रूप में दी गई। मध्य गुजरात संभाग के स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में सहयोगी रहे। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी व चरोतर प्रांत प्रमुख अरविंदसिंह काणेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसी प्रकार श्री खोखरा राजपूत समाज अहमदाबाद द्वारा भी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 12 फरवरी को खोखरा में किया गया। इस समुह लग्न में 31 नवदंपति विवाह बंधन में बंधे। समारोह के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत द्वारा सभी नवदंपति को यथार्थ गीता भेंट की गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी लॉ गार्डन (अहमदाबाद) व काणेटी शाखा के स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे। शंकर सिंह लिंबोदरा ने संस्थान के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

संपादकीय

प्रतिक्रिया में सस्तापन नहीं, सामर्थ्य लाएं

हमारे जीवन के किसी भी पक्ष को किसी भी रूप में प्रभावित करने वाली किसी क्रिया की प्रतिक्रिया करना हमारे मानवीय स्वभाव का एक अंग है। प्रतिक्रिया की यह वृत्ति हमारे व्यक्तित्व की उन जन्मजात प्रवृत्तियों में से एक हैं जो हमारे भौतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रकृति हमें प्रदान करती है। प्रकृति प्रदत्त हमारी अन्य प्रवृत्तियों की भांति इस वृत्ति का भी अपना विशिष्ट और निश्चित महत्व है। किंतु जब हमारी कोई वृत्ति अपने महत्त्व की उस निश्चित सीमा का अतिक्रमण कर हमारे पूरे स्वभाव पर हावी हो जाती है तो वह हमारे व्यक्तित्व को असंतुलित और एकपक्षीय बना देती है। ऐसे असंतुलित और एकपक्षीय व्यक्तित्व से जीवन की सर्वांगीणता को समझना और उसके अनुरूप अपने आप को निरंतर विकसित करते रहने की साधना संभव नहीं होती। इसके अतिरिक्त अत्यधिक प्रकटीकरण से वह वृत्ति अपनी प्रभावशक्ति भी खो देती है। आज हमारी प्रतिक्रिया की वृत्ति भी ऐसी ही स्थिति में पहुंचकर हमें प्रतिक्रियावादी बनाकर हमारी क्षमताओं को क्षीण कर रही है, साथ ही व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर क्षणिक उग्रता का चोला पहनी हुई अदूरदर्शिता और साहसहीनता को पनपा रही है।

हम आज के सामाजिक परिदृश्य का अवलोकन करें तो पाएंगे कि आज हमारी प्रतिक्रियावादिता तो अपने चरम पर है लेकिन उसी अनुपात में हमारी प्रतिक्रिया की प्रभावकारिता न्यून हो चुकी है। आज प्रतिक्रियावादिता हमारे स्वभाव पर इतनी हावी है कि हर तीसरे दिन हम किसी न किसी मुद्दे पर इस प्रकार से प्रतिक्रियाएं देते हैं जैसे यह समाज के जीवन मरण का प्रश्न है और समाज के सभी संगठनों को, सभी राजनेताओं को और सभी व्यक्तियों को अपने मूल कार्यों को छोड़कर अपनी समस्त क्षमताएं झोंक कर इस मुद्दे को हल करने में लग जाना चाहिए। विडंबना यह है कि तीसरे ही दिन हम उस मुद्दे को भूल भी जाते हैं जिसे हमने ही जीवन-मरण का प्रश्न बताया था। इस क्षणिक प्रतिक्रियावादिता के प्रवाह में बहते रहने के अनेक दुष्प्रभाव हैं जिन्हें समझना आवश्यक है। पहला - हम अपनी यत्किंचित क्षमताओं को उस मुद्दे के सभी पक्षों को समझकर उसे हल करने की अपेक्षा केवल हल्ला मचाने में व्यय करते हैं, जिससे उस मुद्दे पर किसी भी सकारात्मक परिणाम में हम सहयोगी नहीं बन पाते। दूसरा - हम केवल प्रतिक्रिया देकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री समझ लेते हैं और शीघ्र ही उस घटना को भूल भी जाते हैं। इससे उस घटना या मुद्दे के सामाजिक निहितार्थों को समझने और उनके अनुरूप अपने भविष्य के व्यवहार को निश्चित करने की समझ हममें विकसित नहीं हो पाती। तीसरा - समाज में घटी किसी अप्रिय घटना या समाज के किसी अंश के प्रति हुए अन्याय से उपजे आक्रोश और पीड़ा को हम समाज को मजबूत बनाने के लिए कर्मठता की प्रेरणा बनाने की बजाय केवल कुछ नकारात्मक बातें करके संतुष्ट हो जाते हैं और समाज में भी निराशा और नकारात्मकता का प्रसार करते हैं। चौथा - हम अपनी प्रतिक्रिया को इतनी सस्ती बना देते हैं कि कोई भी विरोधी या स्वार्थी तत्व हमें भड़काकर हमारी प्रतिक्रियावादिता को अपने हित में उपयोग कर लेता है। इससे हमारी प्रतिक्रिया की प्रभावशक्ति भी अत्यंत क्षीण हो जाती है। ऐसे ही अनेक प्रकट और अप्रकट दुष्परिणाम हमारी अति प्रतिक्रियावादिता से पैदा होते हैं।

याद करें, विगत कुछ वर्षों में घटी उन घटनाओं को जिन्होंने हमें विचलित किया, उद्वेलित किया और फिर जांचे स्वयं को कि क्या हम उन घटनाओं पर थोथी प्रतिक्रियाएं व्यक्त करने से आगे जाकर अपने में समाज-सापेक्ष चिंतन को विकसित कर सके? क्या समाज के प्रति अपनी तरल पीड़ा को सहेजकर हम कर्मठता के ठोस आधार में परिवर्तित कर सके? स्मरण करें, जब 2014 के लोकसभा चुनावों में बाड़मेर से समाज के एक दिग्गज राजनेता को उनके अपने ही राजनीतिक दल द्वारा दशकों की सेवा के बदले जातिवादी राजनीति की भेंट चढ़ा दिया गया था, तब हम किस प्रकार उद्वेलित हुए थे। लेकिन क्या हम उस प्रकरण से राजनैतिक दलों की बजाय समाज के प्रति निष्ठा रखने और सामाजिक विरोधियों के सामूहिक प्रतिकार का सबक ले पाए? जब एक राजपूत को राजस्थान के एक प्रमुख राजनीतिक दल का प्रदेशाध्यक्ष बनाया जा रहा था, तब जो लोग अपने व्यक्तिगत अहंकार और स्वार्थ के लिए विरोध में आ गए थे, क्या उनके प्रति रोष को हम कायम रख पाए? अभी कुछ समय पूर्व भूंगरा जैसी त्रासदी पर भी व्यथित और भावुक प्रतिक्रियाएं देने से आगे बढ़कर क्या हम घटना के प्रभावितों को राहत पहुंचाने के लिए एक हो सके? क्या उनकी यथासंभव सहायता के लिए व्यवस्था में उपलब्ध औपचारिक और अनौपचारिक साधनों के उपयोग के लिए हम अपने प्रतिनिधियों को प्रेरित कर सके या केवल अपनी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर आलोचनाएं और प्रशंसाएं ही करते रहे। इतिहास विकृतिकरण के मुद्दे पर आक्रोशित होकर भी हम सोशल मीडिया पर अशोभनीय बहसों में उलझने या एक दूसरे के समाजों पर टिप्पणियां करने की अपरिपक्वता तक ही सीमित रहे या सही इतिहास के अध्ययन, शोध, लेखन आदि के भी हमने प्रयास किए। क्या इतिहास, महापुरुषों की पहचान आदि के नाम पर जातीय द्वेष को भड़काने के इन प्रयासों के प्रत्युत्तर में हम विभिन्न समाजों में संवाद और सद्भावना विकसित करने की कोई सार्थक पहल कर सके या ऐसी किसी पहल का हिस्सा बनने को उद्धत हुए?

ऐसे ही अनेक उदाहरण हैं जिन पर चिंतन करें तो हमें समझ में आ जाएगा कि वास्तव में हम अपने सामाजिक भाव, अपने आक्रोश और अपनी क्षमताओं को अपनी ही प्रतिक्रियावादिता की भेंट चढ़ा रहे हैं। सामान्य से सामान्य और गंभीर से गंभीर मुद्दों पर भी हम केवल प्रतिक्रियाएं देकर उन्हें भूल जाते हैं। जबकि होना यह चाहिए कि ऐसी प्रत्येक घटना पर उफनने की बजाय वह घटना जिन तात्कालिक समाधानों की मांग करती है उन समाधानों में हम यथाशक्ति सहयोगी बनें और उसके साथ ही उस घटना के दीर्घकालीन सामाजिक निहितार्थों को समझकर उन्हें अपने चिंतन का आधार बनाएं। फिर इस चिंतन के अनुरूप धैर्यपूर्वक समाज को जागृत करने के कार्य में योगदान दें। स्मरण रखें, अधीरता सामर्थ्य का लक्षण नहीं है। इसलिए अपनी प्रतिक्रिया को सस्ता न बनाएं, न व्यक्तिगत स्तर पर और न सामाजिक स्तर पर, बल्कि उस प्रतिक्रिया में बल पैदा करें। प्रतिक्रिया में बल पैदा होता है उसके पीछे खड़ी सहनशक्ति, धैर्य, विवेक और सामर्थ्य से। इसलिए पहले इनके अर्जन में लगें। श्री क्षत्रिय युवक संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के रूप में इनके अर्जन का सरलतम मार्ग प्रदान करता है। समाज की प्रतिक्रिया को प्रभावी और निर्णायक बनाने के लिए विराट सामाजिक शक्ति का निर्माण करना पहली आवश्यकता है और उस शक्ति के निर्माण में ही संघ लगा हुआ है। आएं, हम भी अपनी पीड़ा और आक्रोश को सस्ती प्रतिक्रिया के रूप में व्यर्थ बिखेरने की बजाय उन्हें ठोस कर्मशीलता में बदलने के मार्ग पर चलें और उस सामाजिक शक्ति के निर्माण में सहयोगी बनें।

विद्या प्रचारिणी सभा उदयपुर की कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न

विद्या प्रचारिणी सभा भोपाल नोबल संस्थान उदयपुर की आम सभा प्रताप चौक संस्थान परिसर में 16 फरवरी को संपन्न हुई, जिसमें संस्थान की कार्यकारिणी के त्रैवार्षिक चुनाव भी संपन्न हुए। चुनावों में कुल 212 मतदाताओं में से 195 मतदाताओं ने मतदान किया। कार्यवाहक अध्यक्ष के पद पर प्रोफेसर शिव सिंह सारंगदेवोत निर्वाचित हुए। मंत्री पद पर डॉ. महेंद्र सिंह आगरिया तथा उप-मंत्री एवं प्रबंध निदेशक पद पर मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी तीसरी बार निर्वाचित हुए। डॉ. दरियाव सिंह व डॉ. जब्बर सिंह टाडावाला उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह ताणा संयुक्त मंत्री तथा शक्तिसिंह कारोही वित्त मंत्री निर्वाचित हुए। हनुमंत सिंह बोहेड़ा, नवल सिंह जूड़, नकुल सिंह मुरोली, कमलेश्वर सिंह कच्छेर, भंवर सिंह कोठारिया, सुरेंद्र प्रताप सिंह रूद, करण सिंह उमरी, महेंद्र सिंह पाखंड और पुष्पेंद्र सिंह भिंडर सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। पूर्व छात्रसंघ प्रतिनिधि के रूप में डॉ. युवराज सिंह बेमला, राजेंद्र सिंह पिपलांत्री, कुलदीप सिंह ताल एवं महेंद्र सिंह पाटिया कार्यकारिणी में निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नवनिर्वाचित कार्यवाहक अध्यक्ष सारंगदेवोत ने कहा कि वे अपने मातृ संस्थान में सेवा का अवसर पाकर गौरवान्वित हैं। यह संस्थान मेवाड़ की शैक्षणिक धरोहर है और राज्य की शिक्षण संस्थाओं में अग्रणी है। उन्होंने सब के सहयोग से शोध, शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगारोन्मुखी तकनीकी पाठ्यक्रमों जैसे विषयों पर कार्य करने की बात कही। डॉ. महेंद्र सिंह आगरिया द्वारा संस्थान के गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। डॉ. प्रेम सिंह रावलोत ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाया। इससे पूर्व 15 फरवरी को संस्थान की ओल्ड बॉयज एसोसिएशन के चुनाव भी संपन्न हुए जिनमें एकलिंग सिंह झाला ओलादर (अध्यक्ष) देवेंद्र नाथ चौहान फलिचड़ा (उपाध्यक्ष), भानु प्रताप सिंह सोलंकी झीलवाड़ा (मंत्री), जोगेंद्र सिंह शक्तावत मंडपिया (संयुक्त मंत्री), लक्ष्यराज सिंह शक्तावत सेमारी (खेल मंत्री) एवं राजेंद्र सिंह चुंडावत गोगाथला (साहित्य मंत्री) का निर्वाचन हुआ। इनके अतिरिक्त छह सदस्य व आठ पदेन सदस्य भी निर्वाचित हुए।

'सरहद के शहीद' पुस्तक का विमोचन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक एवं इतिहासकार रतन सिंह बडोडा गांव तथा युवा साहित्यकार महेंद्र सिंह छायण द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक 'सरहद के शहीद' का विमोचन कार्यक्रम 12 फरवरी को राजमथाई में आयोजित शहीद नरपत सिंह राठौड़ के प्रतिमा अनावरण समारोह के दौरान किया गया। राजस्थान सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी ने पुस्तक का विमोचन करते हुए इसे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष कर्नल मानवेंद्र सिंह जसोल ने पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि जैसलमेर ने सदियों से भारत पर होने वाले आक्रमणों के विरुद्ध प्रथम रक्षापंक्ति के रूप में खड़े रहकर भारत के मानबिंदुओं की रक्षा की है। मातृभूमि की रक्षार्थ शहीद होने वाले सपूतों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने और उनकी वीरता और बलिदान की कहानी को लोगों तक पहुंचाने का दोनों लेखकों का यह प्रयास सराहनीय है। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद ने पुस्तक को राजस्थान के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने वाली बताया। उल्लेखनीय है कि 'सरहद के शहीद' पुस्तक में जैसलमेर के 30 वीर शहीदों की शौर्यगाथा एवं जीवनवृत्त का वर्णन किया गया है। पुस्तक की रचना गद्य व पद्य दोनों में की गई है।

दिल्ली में अध्ययनरत राजपूत विद्यार्थियों की बैठक संपन्न

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययनरत राजपूत समाज के छात्र-छात्राओं की अलग-अलग दो बैठकें 12 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवन्त सिंह पाटोदा की उपस्थिति में संपन्न हुई। दोनों बैठकों में केंद्रीय कार्यकारी द्वारा विद्यार्थियों को संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया गया कि 2023-2024 को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान हमें पूज्य श्री तन सिंह जी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्य करना है। आप सब देश की राजधानी में स्थित देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत युवा हैं इसलिए आपकी जिम्मेदारी भी अधिक है। जनवरी 2024 में मुख्य जन्म शताब्दी समारोह दिल्ली में आयोजित किया जाएगा जिसमें आप सभी के सहयोग की भी आवश्यकता रहेगी। दिल्ली में रहने वाले सभी समाजबंधुओं तक हमें पूज्य तनसिंह जी और श्री क्षत्रिय युवक संघ की बात पहुंचानी है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप यहां के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत समाज के अन्य विद्यार्थियों से भी संपर्क करें एवं भविष्य में सभी की एक सामूहिक बैठक आयोजित करने की तैयारी प्रारंभ करें। दिल्ली एनसीआर प्रान्त प्रमुख रेवत सिंह धीरा व महेंद्र सिंह सेखाला भी बैठक में उपस्थित रहे।

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनुषंगिक संगठन श्री प्रताप युवा शक्ति के तत्वावधान में 12 फरवरी को श्री मल्लीनाथ महाविद्यालय छात्रावास बाड़मेर में एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। महेंद्र सिंह तारातरा ने श्री प्रताप युवा शक्ति के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी और कहा कि आज समाज के युवा वर्ग को सजग, सचेत और जागृत रहते हुए क्षत्रियोचित गुणों का पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में बताते हुए कहा कि संघ की कार्यप्रणाली आपके अध्ययन के लक्ष्य में भी बहुत सहायक साबित होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकास अधिकारी नरपत सिंह हरसाणी ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपने जीवन में अपने लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा, ईमानदारी के साथ एक जुनून एवं जिद पालें क्योंकि लक्ष्य के प्रति दृढ़ता रखने से ही जीत मिलती है। स्मार्ट स्टडी, कठोर मेहनत और नियमितता आपके अध्ययन को गति प्रदान करती है और मंजिल का रास्ता सुगम एवं सरल बनाती है। नवचयनित सहायक आचार्य आशु सिंह खारा ने कहा कि एक अच्छी शुरूआत ही सफलता को सुनिश्चित करती है। हमें अपने परंपरागत विषयों से हटकर केंद्रीय सेवाओं, बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित सेवाओं आदि के बारे में सोचना होगा। हमें अपनी आदतें बदलनी होंगी। जैसा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा है कि हम अपना भविष्य नहीं बदल सकते, लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं। वही बदली हुई आदतें हमारा भविष्य बदल सकती है। उन्होंने कहा कि आपका शैक्षणिक रिकॉर्ड किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने में आड़े नहीं आता है। मैं स्वयं 12वीं कक्षा का अनुत्तीर्ण विद्यार्थी रहा हूं लेकिन इसके बावजूद वरिष्ठ अध्यापक हिंदी, राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक, व्याख्याता हिंदी एवं सहायक आचार्य (हिंदी) के पद पर राजस्थान में दूसरी रैंक के साथ चयन हुआ है। खनिज अभियंता भगवान सिंह द्वारा बच्चों को अपने भविष्य के प्रति जागरूक एवं सजग रहने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि जीवन में आपके एकेडमिक प्रतिशत मायने नहीं रखते, क्योंकि

आप अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उसके प्रति समझ और संपूर्ण समर्पण के साथ प्रयास करके सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्रशासनिक सेवा, अभियांत्रिकी, चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, बैंकिंग, कृषि आदि में कैरियर निर्माण की संभावनाओं के बारे में उस क्षेत्र के विशेषज्ञ द्वारा जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सुरेंद्र प्रताप सिंह झिनझिनयाली (समाज कल्याण अधिकारी), नरेंद्र सिंह थोब (सहकारिता निरीक्षक), पदम सिंह रणधा (कृषि अधिकारी), सुरेंद्र सिंह थोब (कृषि अधिकारी), प्रेम सिंह पांचला (कृषि अधिकारी), स्वरूप सिंह मुंगेरिया (आयुर्वेद चिकित्सक), डॉ. भानु प्रताप सिंह, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. भवानी सिंह, मूल सिंह (पुलिस निरीक्षक), चंद्र सिंह (उप निरीक्षक) जनक सिंह इंद्रोई (बैंक मैनेजर), भोपाल सिंह झिनझिनयाली (बैंक मैनेजर), दिलीप सिंह देदूसर (सहायक लेखा अधिकारी), शिक्षा विभाग से गुलाब सिंह कोटडा, भवानी सिंह रामदेरिया, रतन सिंह , प्रेम सिंह लाबराउ, हरि सिंह भदरू, दीप सिंह चाडी, हनुमंत सिंह जालीला, महेंद्र सिंह चाडी, अजमाल सिंह सुवाड़ा, पृथ्वी सिंह मिठड़ा, आशु सिंह महाबार एवं तन सिंह घोनिया के मार्गदर्शन में 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कान सिंह खारा द्वारा किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाश सिंह भुरटिया व लाल सिंह रामदेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

बोन्द (हरियाणा) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत हरियाणा के चरखी दादरी जिले के बोन्द खुर्द गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम 19 फरवरी को आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवन्त सिंह पाटोदा ने उपस्थित समाजबंधुओं को पूज्य तनसिंह जी और श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संघ विगत 76 वर्ष से समाज को केन्द्र में रखकर, समाज को मातृस्वरूप मानकर कार्य कर रहा हैं। संघ सिर्फ एक जाति के कल्याण की बात नहीं करता है अपितु सम्पूर्ण मानव समाज के कल्याण की बात करता है। संघ किसी भी जाति, धर्म, दल, संगठन अथवा विचारधारा के विरोध में काम नहीं करता है। संघ तो हमारे भीतर की कमजोरी के विरुद्ध काम करता है और हम भीतर से किस तरह मजबूत हो, इसकी बात करता है। क्योंकि भीतर से मजबूत व्यक्ति ही एक बेहतर परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण करने में समर्थ होता है। उन्होंने आगे बताया कि मनुष्य के बिगड़ने और बनने की कोई उम्र नहीं होती, न ही उसके पद या परिस्थिति से यह तय होता है। मनुष्य

ऊंचे से ऊंचे पद पर जाकर भी बिगड़ सकता है और किसी भी निम्न स्तर पर रहते हुए भी स्वयं को विकसित कर सकता है। मनुष्य की प्रवृति ऐसी होती है कि वो किसी भी स्थिति में पहुंचकर अहंकार का शिकार हो सकता है। संघ में भी ऐसे उदाहरण हैं कि जिसमें अहंकार पनप गया तो वो या तो घर जाकर बैठ जाता है या फिर विरोधी बन जाता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ में इसीलिए आत्मचिंतन और निरन्तर अभ्यास की बात की जाती हैं। कार्यक्रम में बोन्द खुर्द, बोन्द कलां, रणकोली, पिलाना, राणोली, कलुवास, खरक आदि गांवों से समाजबंधु सम्मिलित हुए। अरविन्द सिंह बालवा ने एक वर्ष में हरियाणा में हुए संघ कार्य की जानकारी दी। भारत सिंह बोन्द ने अप्रेल में बोन्द में लगने वाले शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल होने का निमंत्रण दिया। ग्रामवासियों ने सामाजिक कुरीतियों, महिलाओं की भागीदारी आदि बिंदुओं पर संघ के विचार दर्शन और पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में अपनी जिज्ञासाएं रखी जिनका समाधान केंद्रीय कार्यकारी द्वारा किया गया। 19 फरवरी को ही सुबह भिवानी शहर की एमसी कॉलोनी में शहर में रहने वाले समाजबंधुओं के साथ एक बैठक भी रखी गयी।

बाड़मेर व जोधपुर जिला समिति की कार्य विस्तार बैठकें संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बाड़मेर जिला समिति की कार्य विस्तार बैठक 16 फरवरी को बालोतरा स्थित वीर दुगार्दास राठौड़ राजपूत छात्रावास में आयोजित हुई। बैठक में फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा हई व

केंद्रीय समिति द्वारा निश्चित कार्ययोजना के अनुसार जिले में फाउंडेशन के कार्य को गति देने व पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष में अधिकतम सहयोग करने पर चर्चा हुई। बैठक में संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक चंदन सिंह चांदेसरा, चंदन सिंह थोब, फाउंडेशन की केंद्रीय कार्य समिति के सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा, बाड़मेर जिला प्रभारी नरेशपाल सिंह तेजमालता और महेन्द्र सिंह गोलिया सहित स्थानीय सहयोगी उपस्थित रहे। इसी प्रकार 17 फरवरी को जोधपुर जिला समिति की कार्य विस्तार बैठक हनवंत राजपूत छात्रावास में संपन्न हुई जिसमें महेंद्र सिंह तारातरा, नरेशपाल सिंह तेजमालता, गजेंद्र सिंह गोराडिया, अवतार सिंह देदुसर आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

चौहटन की प्रांतीय बैठक सम्पन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के चौहटन प्रान्त की समीक्षा व कार्ययोजना बैठक 19 फरवरी को विरात्रा माता मंदिर में आयोजित हुई। प्रान्त प्रमुख लाल सिंह आकोड़ा ने इस सत्र में प्रांत में अब तक हुए कार्यों का ब्योरा रखते हुए आगामी कार्ययोजना के बारे में स्वयंसेवको को अवगत करवाया। पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत प्रांत में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में संभागप्रमुख महिपाल सिंह चूली, वरिष्ठ स्वयंसेवक उदय सिंह देदूसर, उदयभान सिंह चौहटन, विजय सिंह बावड़ी, कंवराज सिंह रानीगांव, कोजराज सिंह देदूसर सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

जय भवानी छात्रावास के विद्यार्थियों का शाखा भ्रमण कार्यक्रम

बाड़मेर के जय भवानी छात्रावास के छात्रों का शाखा भ्रमण कार्यक्रम 19 फरवरी को रखा गया। संभागप्रमुख महिपाल सिंह चूली के साथ सभी छात्र सर्वप्रथम चौहटन स्थित विराट्रा माता मंदिर के दर्शनार्थ पहुंचे। यहां दर्शन करने के पश्चात गढ़ मंदिर के लिए रवाना हुए। मार्ग में संभागप्रमुख ने विराट्रा माता मंदिर से जुड़ी संघ के विभिन्न कार्यक्रमों की स्मृतियों को युवाओं के साथ साझा किया। गढ़ मंदिर पहुंचकर माताजी की आरती कर पूज्य श्री तनसिंह जन्मशताब्दी वर्ष में निरंतर सक्रियता की प्रार्थना की। छात्रों के लिए भोजन की व्यवस्था स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि उम्मेद सिंह द्वारा की गई। उनको दिल्ली में होने वाले जन्मशताब्दी कार्यक्रम में आने का निमंत्रण देकर सभी ने भोजन ग्रहण किया। वहां से रवाना होकर सभी वैर माता मंदिर पहुंचकर आरती में सम्मिलित हुए। यहां छात्रों को पूज्य तनसिंह जी द्वारा वैर माता मंदिर में की गई साधना के संस्मरण सुनाए गए। यात्रा में चौहटन प्रांत प्रमुख लाल सिंह अकोड़ा, निंब सिंह आकोड़ा व भगवान सिंह दुधवा भी साथ रहे।

नेपाल सिंह और मालम सिंह बैनाडा को स्वर्ण पदक

जैसलमेर जिले के बैनाड़ा गांव के निवासी नेपाल सिंह और मालम सिंह भाटी ने मध्य प्रदेश में चल रही नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं। नेपाल सिंह भाटी ने 800 मीटर दौड़ में तथा मालम सिंह भाटी ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करके पदक जीते हैं। दोनों युवाओं ने यह सफलता प्राप्त करके अपने परिजनों और ग्रामवासियों को गौरवान्वित किया है।

मनोज कंवर चूली का राजस्थान हॉकी टीम में चयन

बाड़मेर के चूली गांव की निवासी मनोज कंवर पुत्री जेतमलासिंह का चयन राजस्थान राज्य की हॉकी टीम में 15 से 26 फरवरी तक आंध्रप्रदेश के कोकीनाडा में आयोजित होने वाली 13वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप के लिए हुआ है। हाल ही में आयोजित 13वीं वरिष्ठ महिला हॉकी प्रतियोगिता में बाड़मेर जिले की टीम का नेतृत्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मनोज कंवर का चयन राज्य की टीम में किया गया है। वे इससे पूर्व 5 बार राज्य स्तर पर एवं एक बार ग्रामीण ओलंपिक में बाड़मेर का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

अमेरिका के फोडा न्यायालय में न्यायाधीश बने श्रीकृष्ण कुमार सिंह

राजस्थान के बीकानेर जिले के मूल निवासी श्रीकृष्ण कुमार सिंह खंगारोत संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूयॉर्क की मोंटगोमरी फोडा कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए हैं। उन्होंने भारत और सनातन धर्म के प्रति अपनी श्रद्धा के प्रतीक के रूप में श्रीमद्भगवद्गीता की शपथ लेकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। विगत 20 वर्षों से अमेरिका में वकालत करने वाले खंगारोत की धर्मपत्नी सुनीता राठौड़ भी इसी कोर्ट में प्रशासक के पद पर नियुक्त है।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जीता स्वर्ण पदक

मध्यप्रदेश के भोपाल निवासी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने मिस्र की राजधानी काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में पुरुषों की व्यक्तिगत 50 मीटर थ्री पोजिशन इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है। 22 वर्षीय तोमर ने पिछले वर्ष चांगवोन विश्वकप में भी स्वर्ण पदक जीता था।

श्रद्धा सिंह भदौरिया और प्रिया चौहान बनी सिविल जज

मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा के परिणाम हाल ही घोषित हुए हैं। राजपूत समाज की दो बेटियों श्रद्धा सिंह भदौरिया और प्रिया चौहान ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करके अपने परिजनों और समाज को गौरवान्वित किया है।

जैसलमेर और बीकानेर की संभागीय कार्ययोजना बैठकें संपन्न

विभिन्न संभागों द्वारा अर्द्धवार्षिक समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठकों के आयोजन के क्रम में 12 फरवरी को जैसलमेर और बीकानेर की संभागीय बैठकें संपन्न हुई। जैसलमेर संभाग की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक जैसलमेर शहर स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम में आयोजित हुई। संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिंझनियाली की उपस्थिति में संपन्न बैठक में संभाग के सभी प्रांत प्रमुख एवं दायित्वाधीन स्वयंसेवक उपस्थित रहे। बैठक में सत्र के पिछले छह माह में किए गए कार्य की समीक्षा हुई। इस दौरान आयोजित हुए शिविर, स्नेह मिलन, प्रारंभ हुई शाखाएं व अन्य प्रकोष्ठों के कार्यक्रम आदि की समीक्षा की गई। तत्पश्चात सत्र के आगामी समय के लिए कार्ययोजना बनाकर नई जिम्मेदारियां भी ली गई। केंद्र से प्राप्त निदेर्शानुसार पूज्य श्री तनसिंह जी शताब्दी वर्ष के दौरान जैसलमेर जिले में होने वाले कार्यक्रमो की रूप-रेखा पर चर्चा की गई। संभागप्रमुख द्वारा केंद्रीय निदेर्शों का पठन किया गया व तदनुरूप प्रांत अनुसार लक्ष्य निर्धारित किए गए। रामदेवरा प्रांत प्रमुख अमर सिंह रामदेवरा ने बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत रामदेवरा-नाचना क्षेत्र में दो वृहद स्तर के तथा आठ अन्य कार्यक्रम रखे जायेंगे। साथ ही युवा साथियों के सहयोग से अन्य जगह निरंतर कार्यक्रम किए जायेंगे तथा दिल्ली में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का प्रयास रहेगा। रामगढ़ प्रांत प्रमुख पदम सिंह रामगढ़ ने बताया कि रामगढ़ क्षेत्र के झुझारों, सतियों व महापुरुषों की जयंतियों के भी कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। म्याजलार प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह बेरसियाला द्वारा बेरसियाला मे आयोजित हुए जयन्ती कार्यक्रम की ही भाँति उत्साह के साथ प्रांत में अन्य गतिविधियां आयोजित करने की बात कही गई। झिंझनियाली प्रांत प्रमुख भोजराज सिंह तेजमालता ने प्रांत के विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही शाखाओं की निरंतरता तथा उनमें हो रहे शिक्षण को लेकर अपने विचार रखे। चांधन प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोडागांव ने प्रांत में दयालदास जी की जयंती वृहद स्तर पर मनाने की बात कही, साथ ही पूज्य श्री के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संघशक्ति व पथप्रेरक को सरल मार्ग बताया एवं इन्हें सभी

समाजबंधुओं तक पहुंचाने के लिए कार्य करने की बात कही। जैसलमेर शहर प्रांत प्रमुख नरेंद्र सिंह तेजमालता ने अर्द्धवार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शहर में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में वरिष्ठ स्वयंसेवक गंगा सिंह तेजमालता, बाबू सिंह, हरिसिंह बेरसियाला, गणपत सिंह अवाय, जितेंद्र सिंह पारेवर सहित संभाग के अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इसी प्रकार बीकानेर संभाग की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक भी बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में संपन्न हुई। बैठक में संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर ने बताया कि जून 2022 में संभाग की वार्षिक कार्य योजना बनाई गई थी जिसमें शिविर, शाखा, सम्पर्क यात्रा, स्नेह मिलन, विस्तार विभाग, महिला विभाग आदि के लिए कार्य विभाजन कर स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए थे। उसके अनुरूप संभाग में अब तक हुए कार्य की समीक्षा कर आगामी छमाही के लिए कार्ययोजना तय करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है। बैठक में पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों और जनवरी 2024 में दिल्ली में होने वाले मुख्य कार्यक्रम के संबंध में भी चर्चा की गई। इस दौरान तय किया गया कि जन्म शताब्दी समारोह के प्रचार-प्रसार के लिये बीकानेर संभाग के सभी प्रांतों में भव्य समारोह आयोजित किये जाएंगे। बैठक में वरिष्ठ स्वयं सेवक जोरावर सिंह भादला, उमेद सिंह सुल्ताना व भँवर सिंह उदट नोखा, कोलायत,श्री डूंगरगढ़, बीकानेर उत्तर व बीकानेर शहर प्रान्त के स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	उ.प्र.शि. (पुरुष)	18.05.2023 से 29.05.2023 तक	**भवानी निकेतन।** जयपुर 18 मई को प्रातः 8 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंचना है। पूर्व में 2 प्रा.प्र.शि. व 1 मा.प्र.शि. किए हुए हों तथा दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। पूरा शिविर नहीं करने वाले 23 मई को पूर्व अनुमति लेकर आ सकेंगे। 29 मई से पूर्व जाने की स्वीकृति नहीं होगी। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 100 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका, झनकार, मेरी साधना व साधना पथ पुस्तकें तथा निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना की गणवेश धोती, कुर्ता व केशरिया साफा होगी एवं प्रातःकालीन प्रार्थना में संघ की गणवेश अनिवार्य होगी।
02.	मा.प्र.शि. (मातृशक्ति)	23.05.2023 से 29.05.2023 तक	**जयपुर।** **नोटः-** पूर्व में न्यूनतम दो शिविर किए हुए हों। दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 50 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री एवं संघ की गणवेश साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना में यथासंभव परंपरागत केशरिया गणवेश लेकर आयें। विवाहित महिलाएं वे ही शामिल हो सकेंगी जिनको आमंत्रित किया जाएगा। बालिकाओं के साथ आने वाले व वापस लेकर जाने वाले स्वयंसेवकों को भी पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा एवं उनकी भी गणवेश आवश्यक है।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

(पृष्ठ एक का शेष)

सबके सहयोग... हमारी सामूहिक शक्ति का कभी-कभी जब प्रदर्शन होता है, तो उससे भावनाएं जगती हैं, एक सौहार्द बनता है। देश की एकता का, समाज की एकता का, मानव मात्र की एकता का एक संदेश संसार में जाता है। उस कार्यक्रम से भी संसार में ऐसा एक संदेश जाए, उसके लिए मैं आप सब को आमंत्रित करता हूं। आज हजारों लोग पूज्य तनसिंह जी के बताए मार्ग पर चल रहे हैं लेकिन हमको करोड़ों लोगों के बीच में यह बात करनी है, जिससे पूरा देश एक बने, जिससे हमारे घेरे बड़े बन जाएं और राष्ट्रवाद व समाजवाद से भी आगे बढ़कर हम मानववाद की ओर बढ़ें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कहा कि भारत गांवों का देश है। भारत की अधिक आबादी गांवों में रहती है और गांव में सबसे बड़ा वर्ग कृषि वर्ग है। इस वर्ग में वे सभी व्यक्ति हैं जो कृषि से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। अगर यह वर्ग सचेत हो जाए, जाग जाए, अगर यह वर्ग राष्ट्र के निर्माण के लिए अपने जीवन में ठोस मूल्यों की स्थापना कर ले तो राष्ट्र को प्रगति से कोई नहीं रोक सकता। लेकिन इस ओर ध्यान इसलिए नहीं जाता है कि गांवों में हम एक होने की बजाय आपस में राजनीतिक कारणों से उलझ रहे हैं। राजनीति के कारण जो वैमनस्य आया है उसको कैसे मिटाया जाए? उसके लिए आवश्यक है कि जो बहुसंख्यक वर्ग है वह एक साथ बैठे और संवाद करे। परस्पर हमारा संवाद चलता रहे और हम इस भाव को जागृत करें कि हम सब भगवान के पुत्र हैं इसलिए हम एक हैं। यह जो कार्यक्रम किए जा रहे हैं इनका मुख्य उद्देश्य यह है कि हम सब मिलकर गांव के विकास की बात करें। हम आपसी प्रतिद्वंद्विता में ना उलझे तो हमारा विकास होगा और यह केवल गांव का विकास नहीं है। यदि एक गांव में स्वच्छता, शांति, सुख, संतोष और सहयोग आता है तो यह एक गांव से दूसरे गांव में पहुंचेगा और धीरे-धीरे पूरा प्रदेश जागृत हो जाएगा और फिर पूरा देश भी जागृत हो जाएगा। इसलिए यह राष्ट्र की सेवा है। पर सबसे पहले हम अपने आप को बनाएं। जो आदर्श हम संसार में देखना चाहते हैं वह आदर्श हमारे आचरण में उतरे। हम इस प्रकार का अपना जीवन बनाएंगे तो लोग भी हमारे नजदीक आएंगे जैसे चुंबक लोहे को खींचता है। तब आप के सत्संग से वे लोग भी अपने आप को सुधारेंगे। काम बहुत मुश्किल है लेकिन चिंता की बात नहीं है, जो कार्य प्रारंभ होता है, जो बीज अंकुरित होता है, वह नष्ट नहीं होता है इसलिए फल की चिंता नहीं करें। फल पर हमारा अधिकार नहीं है, हमारा कर्म पर अधिकार है इसलिए कर्म करते रहें। उन्होंने रासायनिक खाद के प्रयोग को रोकने का आह्वान करते हुए कहा कि धरती हमारी माता है। उसे केमिकल फर्टिलाइजर के रूप में जहरीला भोजन देना बंद करना होगा। प्रारंभ में हमें कुछ समस्या हो सकती है लेकिन अपने पर संयम रखकर हम ऐसा करेंगे तो धरती की उर्वरा शक्ति पुनः बढ़ेगी। जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग हमें करना है लेकिन जिस तकनीक से हमारी धरती माता को नुकसान पहुंचता हो उसको हम काम में नहीं लेंगे, यह हमारा दृढ़ संकल्प होना चाहिए। इससे पूर्व कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि आज समाज और राष्ट्र में चारों ओर विखंडन की शक्तियां कार्य कर रही हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ का ऐसा चिंतन है कि हमारे समाज में ऐसी बहुत सारी व्यवस्थाएं मौजूद हैं जो हम लोगों को जोड़ती हैं। उन व्यवस्थाओं पर यदि हम काम करना प्रारंभ करें तो ही हम उस विखंडन के विपरीत संगठन का निर्माण कर सकेंगे। ऐसा ही एक विषय है कृषि और ऐसा ही एक वर्ग है कृषक, जो हमें जोड़ने का काम करता है। भारत में प्रारंभ से ही कृषि अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था को बांधने वाला तत्व रही है। इसीलिए श्री प्रताप फाउंडेशन इन किसान सम्मेलनों के माध्यम से हमें आपस में जोड़ने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को कांता प्रसाद मोर, संपतसिंह चारण, ओमप्रकाश शर्मा, डॉ. खेताराम कुमावत, हनुमान पारसवाल, भागीरथ मल सबल, अब्बास खान किरडोली, भंवरलाल जांगिड़ व शंकरलाल सैनी सहित विभिन्न जातियों व समाजों के प्रतिनिधियों ने संबोधित किया और क्षेत्र के किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने और सामाजिक सौहार्द एवं सद्भावना को बढ़ाने के लिए निरंतर संवाद करने की बात कही। सैनिक कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, पूर्व जिला प्रमुख रीटा सिंह, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, पंचायत समिति सदस्य गैंद कंवर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बुटाटी में सामाजिक समरसता की पहल

नागौर जिले के बुटाटी गांव में सामाजिक समरसता की मिसाल प्रस्तुत करते हुए देवेंद्र सिंह बुटाटी ने संत श्री चतुरदास जी महाराज मंदिर बुटाटी में स्वच्छता सेनानी के तौर पर सेवारत अजय कुमार हरिजन के विवाह में उसे घोड़ी पर बिठाकर स्वयं लगाम थामकर बिंदोरी निकाली। गांव के बजरंग सिंह, दीप सिंह, जितेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेकों राजपूत बंधु इस दौरान उपस्थित रहे। सभी ग्रामवासियों ने इस पहल को सामाजिक सद्भावना को प्रोत्साहित करने वाला बताया। देवेंद्र सिंह बुटाटी श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जयपुर टीम के सदस्य हैं।

हैदराबाद शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद की तनेराज शाखा में 26 दिसंबर को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया जिसमें शहर में रहने वाले 67 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

(पृष्ठ एक का शेष)

अपने बल, धन... ना वह व्यक्ति प्रगति कर सकता है, ना वह देश प्रगति कर सकता है, ना वह समाज प्रगति कर सकता है जो इस रूढ़ि को पकड़ ले कि जो मैं कहता हूं, वही ठीक है। दूसरों से सीखने की प्रक्रिया कभी भी बंद नहीं होनी चाहिए क्योंकि इसी से हमारे अंदर सद्गुणों का विकास होगा और दुर्गुणों का विनाश होगा। इस सब के लिए सतत अभ्यास की जरूरत है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 25 फरवरी को जयपुर स्थित मैरियट होटल में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जब हमारा आपस में परिचय हो जाता है तो बिछुड़ना कष्टदायक होता है। लेकिन यह भी संभव नहीं है कि हम जीवन भर के लिए यहीं रह जाएं। लेकिन यह तो संभव है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ ने हमारे हृदय में जो स्थान बनाया है, उस स्थान को हम सुस्थिर कर लें तो बिछुड़ने पर कष्ट नहीं होगा। उसको सुस्थिर कैसे करें? इसके लिए सबसे आवश्यक है - सातत्य। सतत साधना चालू रहे। उसमें किसी प्रकार का व्यवधान न आने दें। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति की हमेशा जय होती है और वही संगठन की शक्ति हमें निर्मित करनी है। आज हम सब यहां पर आपस में मिल रहे हैं इससे संगठन की शक्ति के निर्माण की ओर हमारा पहला कदम बढ़ा है। यह अनुभव कि हम इतने लोग हैं, अकेले नहीं है, एकता का पहला पड़ाव है। हमारे परस्पर संपर्क को बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम रखा गया है। संपर्क की निरंतरता से एक समझ पैदा होगी कि हम बहुत कुछ कर सकते हैं। आपसी संवाद से नए रास्ते खुलेंगे। संवाद लगातार चलता रहता है तो वाद-विवाद भी समाप्त हो जाते हैं। हम आपसी प्रतिद्वंद्विता में ना उलझ कर एक दूसरे के सहयोगी बन जाए तो हम निश्चित रूप से आगे भी बढ़ेंगे। हम एक ऐसे समाज से हैं जो अनुशासित है, जो अपने दायित्व को निभाना चाहता है, किसी अन्य का नुकसान करना नहीं चाहता, अपनी मेहनत से, अपने आप पर नियंत्रण करके आगे बढ़ने वाले लोग हैं। जब ऐसी समझ पैदा हो जाए कि हम एक ही परिवार के लोग हैं तब सहयोग विकसित होता है। जब हम परस्पर सहयोग करने लग जाएंगे तो एक शक्ति निर्मित होगी। इससे आपका परस्पर सशक्तिकरण होगा। लेकिन जब शक्ति पैदा हो जाए तो उसका उपयोग कहां किया जाए, यह महत्वपूर्ण है। केवल धन जुटाने, सुविधा संपन्न बनने के लिए ही उस शक्ति का उपयोग नहीं है। उस शक्ति का वास्तविक उपयोग है सेवा में। सेवा किसकी? जरूरतमंद की, हमारे समाज के ऐसे लोग जो अभी भी पिछड़े हुए हैं उनकी। यदि हम संपर्क, समझ, सहयोग, सशक्तिकरण और सेवा, इन पांच चरणों के अनुसार चलें तो जिस उद्देश्य के लिए हम आज यहां इकट्ठे हुए हैं, वह उद्देश्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि समाज की सेवा से अर्थ केवल मात्र राजपूत की सेवा नहीं है। वह तो पहला चरण है। राजपूत जाति को मजबूत बनाकर पूरे समाज की सेवा हमें करनी है। आज तक क्षत्रिय यही करते आए हैं। राम ने यही किया, कृष्ण ने यही किया, प्रताप और दुर्गादास जी ने भी यही किया। हममें सेवा का भाव जब इस स्तर तक विकसित हो जाए, तभी हम क्षत्रिय कहलाने के अधिकारी हैं। एमएनआईटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में प्रोफेसर अजय पाल सिंह ने 'इंडस्ट्री 4.0' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि हमें चीजों को छोटे-छोटे टुकड़ों में देखने के बजाय उनकी पूर्णता में देखने की आवश्यकता है। किसी भी देश अथवा समाज की प्रगति का मूल्यांकन तीन आधारों पर किया जाता है - आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक। वर्तमान समय में भारत में पहली बार इन तीनों क्षेत्रों में एक साथ अति महत्त्वपूर्ण और व्यापक रूपांतरण हो रहे हैं। इस रूपांतरण के सभी आयामों को समझकर और उसके अनुरूप अपने आपको तैयार करके ही हम नए भारत में अपना विशिष्ट स्थान बना सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान हेरिटेज ज्वैलरी के क्षेत्र में 'हाउस ऑफ सुनीता शेखावत' ब्रांड के नाम से पिछले 24 वर्षों से कार्य कर रही ख्यातिनाम उद्यमी सुनीता शेखावत का साक्षात्कार कनिका सिंह द्वारा लिया गया जिसमें उन्होंने अपने संकल्प, संघर्ष और सफलता की यात्रा के विभिन्न पड़ावों को साझा किया। भारत में बैकपैकर हॉस्टल्स की सबसे बड़ी श्रृंखला जॉस्टल के सह-संस्थापक और निदेशक चेतन सिंह ने हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में नवाचार के अपने अनुभवों के बारे में बताया और अपनी सफलता की कहानी सबसे साझा की। भारत की अग्रणी फर्नीचर ई-कॉमर्स कंपनी 'वुडन स्ट्रीट' के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी लोकेंद्र सिंह राणावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्यम के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए साहस और जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता को आवश्यक बताया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी और कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए कहा कि समाज के उद्यमियों को एक साथ बिठाकर उनकी ऊर्जा को सामूहिक स्वरूप देकर समाज के हित में प्रयुक्त करने के उद्देश्य की ओर पहले कदम के रूप में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना आदि राज्यों से समाज के उद्यमी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में भारत के प्रत्येक राज्य में क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम की स्थापना और प्रत्येक जिले में इसकी इकाई गठित करने के संबंध में चर्चा करके कार्ययोजना बनाई गई।

उदय सिंह लाबराऊ को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक उदय सिंह लाबराऊ के पिता **श्री दीप सिंह जी** का देहांत 21 फरवरी को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री दीप सिंह जी

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री जीवराजसिंह दाखा

हमारे बंधु श्री

जीवराजसिंह दाखा

शारीरिक शिक्षक एवं

श्री उम्मेदसिंह अकदड़ा

शारीरिक शिक्षक को खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के उपलक्ष में गणतंत्र दिवस पर प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री उम्मेदसिंह अकदड़ा

शुभेच्छु:

सुरेन्द्रसिंह गूगड़ी	सांगसिंह केरावा	हरीसिंह खटटू (खण्डप)	नरपतसिंह उमरलाई
वागसिंह लोहिडी (ढंढ)	गजेन्द्रसिंह सोमेसरा	सुमेरसिंह कालेवा	कल्याणसिंह सिणली
प्रेमसिंह परेऊ	हितेन्द्रसिंह टापरा	ईश्वरसिंह जागसा	विक्रमसिंह अकदड़ा
जसवंतसिंह साजियाली	नारायणसिंह कुण्डल	धर्मसिंह टापरा	देवसिंह डाभड़
पृथ्वीसिंह थोब	भैरोसिंह डण्डाली	मनोहरसिंह नेवाई	जितेन्द्रसिंह सणतरा
तेजसिंह नौसर	मूलसिंह जानकी	तनसिंह महेचा बाड़मेर आगोर	फतेहसिंह लापून्दड़ा
पर्वतसिंह ढीढस	परमवीरसिंह ढेलाणा	वालमसिंह आकोड़ा	गणपतसिंह वरीया तगजी
पदमसिंह भाउड़ा	पीरसिंह वेदरलाई	लालसिंह आकोड़ा	सुमेरसिंह अकदड़ा
गोविन्दसिंह पायला	खीमसिंह लापुन्दड़ा	हाथीसिंह केरावा	भोपालसिंह गोपड़ी
सुरेन्द्रसिंह भागवा वी	मनोहरसिंह दाखा	महेन्द्रसिंह पंवार रावतसर	शिवसिंह लापून्दड़ा
कानसिंह सिंह अजीत	विजयसिंह गौड़ लाडनूं	कृष्णपालसिंह गुड़ानाल	दौलतसिंह मुंगेरिया
हरीसिंह वेदरलाई	प्रतापसिंह अकदड़ा	हरीसिंह चान्देसरा	
डूंगरसिंह चांदेसरा	भवानीसिंह अकदड़ा	जगमाल सिंह थोब	
जेतमाल सिंह विशाला	उदयसिंह तिलवाड़ा	प्रेमसिंह मूठली	
मांगूसिंह वरिया	प्रवीणसिंह बुड़ीवाड़ा	बलवंतसिंह दाखा	
सवाईसिंह टापरा	राणुसिंह अकदड़ा	तेजसिंह कानोड़	

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org